अटल इनक्यूबेशन सेंटरः - बिमटेक ने भारत और भूटान को जोड़ा:- सीमा-पार नवाचार और उद्यमिता को एक नई पहचान देने की कोशिश

ग्रेटर नोएडा। भारत के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी ने भूटान से आए एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह दौरा भारत और भूटान के बीच सीमा-पार उद्यमिता संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत का तेज़ी से विकसित हो रहा स्टार्टअप ईकोसिस्टम और भूटान की इसी प्रकार की सफलता को अपनाने की कोशिशें दरअसल दोनों देशों के बीच इस साझेदारी को पारस्परिक विकास और दीर्घकालिक प्रभाव की दिशा में ले जाती है। भूटानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कुन्ज़ांग ल्हामू, महानिदेशक, रोजगार और उद्यमिता विभाग, भूटान सरकार ने किया। उन्होंने अटल इनक्यूबेशन सेंटर-बिमटेक के इनक्यूबेशन प्रोग्राम्स जैसे खोज, प्रारंभ, गुरुकुल और उड़ान में विशेष रुचि दिखाई।

इस दौरान दीर्घकालिक मेंटरशिप समझौतों और भारत के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के साथ विशिष्ट सेक्टर आधारित सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरे में यह भी सामने आया कि भूटान भारत के क्रांतिकारी स्टार्टअप ईकोसिस्टम–विशेषकर स्टार्टअप इंडिया और समृद्ध योजना जैसे मॉडलों से प्रेरणा लेकर अपने देश में नीति सुधार पर विचार कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने भूटान में मेंटरशिप, फंडिंग और इंडस्ट्री पार्टनरशिप पर केंद्रित स्टार्टअप संस्कृति के निर्माण की इच्छा भी प्रकट की।

इस अवसर पर बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी की निदेशक, डॉ. प्रवीणा राजीव ने कहा, यह दौरा दोनों देशों की साझा सोच को दर्शाता है–उद्यमियों को सशक्त बनाना और ऐसे स्थायी ईकोसिस्टम का विकास करना जो सीमाओं के पार भी फल-फूल सकें। हमें विश्वास है कि यह साझेदारी भूटान को एक जीवंत स्टार्टअप ईकोसिस्टम विकसित करने का मार्ग प्रदान करेगी, जो भारत की प्रेरणादायक यात्रा से सीखते हुए आगे बढ़ेगा। दौरे के बाद, अगले 6 से 12 महीनों में एक फॉलो-अप योजना बनाई गई है, जिसमें फंडिंग, स्टार्टअप विकास, और उद्यमिता के पक्ष में अनुकूल नीतिगत ढांचे जैसे संकेतकों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। इस फॉलो-अप में भूटान में स्थानीय टैलेंट को प्रोत्साहन देने और वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से इनक्यूबेशन सेंटर्स की स्थापना भी शामिल है। बिमटेक और भूटान के बीच यह साझेदारी दक्षिण एशिया में सीमा-पार उद्यमिता के क्षेत्र में एक टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है, जो संयुक्त विकास, ज्ञान आदान-प्रदान और मजबूत, टिकाऊ स्टार्टअप ईकोसिस्टम के निर्माण के लिए नए अवसर पैदा करेगी।